



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष डायरी

हमीरपुर: 9 जून 2026



सोलन के बैरटी में भारत-जापान ज्ञान केंद्र एवं मॉडल कृषि फार्म का उद्घाटन जायका-इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि ताकेउची ताकुरो ने किया उद्घाटन



सोलन, 09 जून 2026: जायका-इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि ताकेउची ताकुरो ने मंगलवार को सञ्जी विकास केंद्र (वीडीएस), बैरटी, सोलन में भारत-जापान ज्ञान केंद्र एवं मॉडल कृषि फार्म का उद्घाटन किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान एवं उनकी टीम की उपस्थिति में किसान बलस्टर मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) ने भाग लिया।



जायका-इंडिया मिशन ने मंगलवार को सोलन से परियोजना क्षेत्रों के अपने तीन दिवसीय टूर का शुभारंभ किया। इस मिशन का नेतृत्व जायका-इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि ताकेउची ताकुरो कर रहे हैं। उनके साथ जायका-इंडिया के वरिष्ठ प्रतिनिधि श्री शिकोइडे सोता, सुशी इवामोटो ताइको तथा विकास विशेषज्ञ सुशी निष्ठा भी शामिल हैं। सोलन के पश्चात यह मिशन हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-द्वितीय (एचपीसीडीपी-II) की प्रगति की समीक्षा एवं चर्चा के लिए पालमपुर और धर्मशाला का दौरा करेगा। मिशन के इस टूर का समन्वय एवं नेतृत्व परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान द्वारा किया जा रहा है। बैरटी फार्म में हिमाचल स्मार्ट फार्मिंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित हाई-टेक पॉलीहाउस स्टेती प्रणाली का भी लोकार्पण किया गया। इस

टॉरान जायका मिशन ने हाई-टेक पॉलीहाउस प्रणाली स्थापित करने वाली संस्था एम-टू-लैबो (M2LABO) के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

इसके उपरान्त अतिथियों ने कृषि प्रदर्शनी एवं मॉडल कृषि फार्म का भ्रमण किया। उन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धित उत्पादों तथा एफपीओ एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किसान बलस्टर मेले में सोलन, मिरमौर एवं शिमला जिलों के 300 से अधिक किसानों, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों तथा कृषि विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मेले का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, बाजारोन्मुख उत्पादन प्रणालियों, सामूहिक विपणन व्यवस्था तथा सफल कृषि मॉडलों से परिचित कराना था। इसके साथ ही यह कार्यक्रम किसानों, कृषि विशेषज्ञों एवं किसान संगठनों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच भी बना।

कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील किसानों एवं एफपीओ प्रतिनिधियों ने अपनी सफलता की कहानियाँ और अनुभव साझा किए। इस अवसर पर परियोजना के अंतर्गत पूर्ण की गई तीन सिंचाई उप-परियोजनाओं की अवसंरचनाओं को संबंधित कृषक विकास संघों (केवीए) को औपचारिक रूप से हस्तांतरित किया गया। कृषि, बागवानी एवं सामुदायिक विकास के क्षेत्र में उत्तेजनपूर्ण योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों, एफपीओ तथा स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में ताकेउची ताकुरो ने कृषि क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने तथा जलवायु-अनुकूल कृषि प्रणालियों के विकास में एचपीसीडीपी-II की भूमिका की सराहना की।

परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह पहल प्रदेश में आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने, किसान संगठनों को सशक्त बनाने तथा ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत-जापान ज्ञान केंद्र आधुनिक कृषि तकनीकों के आदान-प्रदान, किसान प्रशिक्षण, नवाचार एवं क्षमता निर्माण का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। जिला परियोजना प्रबंधक, सोलन, डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर ने सभी विशिष्ट अतिथियों, किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों तथा उपस्थित जनसमूह का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग



एवं सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान के साथ उप परियोजना निदेशक डॉ. राजेश कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक सोलन डॉ. राजेंद्र सिंह ठाकुर, राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई (एसपीएमयू) के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. आशीष आनंद एवं डॉ. राकेश शर्मा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त परियोजना प्रबंधन परामर्शी (पीएमसी) के विशेषज्ञ श्री सुशील कुमार शर्मा एवं श्री सुदर्शन सूर्यवंशी भी जायका मिशन के टूर के दौरान मौजूद रहे।